तर्ज--ना तुम बेवफा हो

धनी धाम वाले बड़े मेहरबां है
वो रूहों पे अपनी तो पल पल फिदा हैं

1--माया जहर वो उतारे हमारे
जन्मो के बंधन छुड़ाये हमारे
क्या समझेगें हम वो हमारे क्या है

2--अर्श खजाना लेकर के आए
निसबत हमारी है हमको बुलाए
वो आशिक रूहों के नही तो और क्या है

3--पहचान हमारी हमको कराएं
जान धनी अंगना गले से लगाएं
ये सोचे हम क्या थे आज क्या है

Nijanand App